

**CLASS : 12th (Sr. Secondary)**

**3654/3604**

**Series : SS-M/2018**

Total No. of Printed Pages : 8

**MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS**

**HINDI (Elective)**

**ACADEMIC/OPEN**

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

---

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

---

**General Instructions :**

- (i) Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.
- (ii) Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.
- (iii) Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.
- (iv) Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.

**3654/3604**

P. T. O.

- (v) *Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.*
- (vi) *A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.*
- (vii) *If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.*
- (viii) *If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.*
- (ix) *Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.*
- (x) *Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.*
- (xi) *Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.*

**महत्त्वपूर्ण निर्देश :**

- (i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अन्तिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
- (ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।
- (iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।
- (iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।
- (v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।
- (vi) मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

( 4 )

**3654/3604**

1. यह कविताओं पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न है। प्रत्येक सही उत्तर पर एक अंक दीजिए : सही उत्तर है  $1 \times 10 = 10$

- (i) (ख) स्कन्दगुप्त
- (ii) (ख) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- (iii) (क) हिमालय
- (iv) (ख) पीले
- (v) (ग) एक खेल
- (vi) (घ) कार्तिकेय
- (vii) (ग) कौआ
- (viii) (ग) मथुरा
- (ix) (ख) रावण
- (x) (क) घोड़ा

2. किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है : 5

किसी अलक्षित ..... बेखबर

देखिए Set - I प्रश्न 2 (क)

**3654/3604**

## अथवा

सब जाति ..... पंचवटी

कवि केशवदास, कविता राम चन्द्रिका

(लक्ष्मण उर्मिला) कवि यहाँ पंचवटी की महिमा का गुणगान कर रहा है। व्याख्या स्पष्ट होनी चाहिए।

**विशेष** : ब्रजभाषा, अनुप्रास यमक, रूपक, तथा उपमा अलंकार। शांत रस, प्रकृति का अलंकारिक रूप में वर्णन।

3. (जयशंकर प्रसाद) जन्म 1888 में काशी में। विधिवत शिक्षा आठवी तक। घर पर रहकर ही हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, उर्दू व पालि का अध्ययन किया। भारतीय इतिहास व दर्शन में गहरी रुचि थी। 1937 में मृत्यु। 5

**रचनाएँ** :- झरना, आँसू, लहर, कामायनी (काव्य कृतियाँ) नाटक, उपन्यास, कहानी संग्रह आदि।

(काव्यगत विशेषताएँ) छायावाद के प्रमुख स्तंभ, प्रकृति प्रेमी, मानवीय भावों की परख, गौरवशाली प्राचीन संस्कृति का वर्णन।

## अथवा

मलिक मुहम्मद जायसी : - देखिए Set I प्रश्न 3 (ख)

4. सप्रसंग व्याख्या

(क) देखिए Set I प्रश्न 4 (क)

## अथवा

नायिका की सखी नायक को नायिका की विरहावस्था का वर्णन करते हुए कहती है कि वह पुष्पों से भरे हुए वन को देख नयन मूंद लेती है तथा कोयल की कूक और भँवरों की गुँजार को न सुनने के लिए कान बंद कर लेती है। विप्रलंभ शृंगार, मैथिली भाषा, गेयात्मकता, अनुप्रास उपमा अतिशयोक्ति अलंकार।

5. प्रत्येक प्रश्न के लिए **दो-दो** अंक अपेक्षित हैं। उत्तर के अनुरूप अंक दीजिए।  $2 \times 3 = 6$

(क) ओठों की मुस्कान बिजली की तरह थी, लज्जा एवं संकोच से झुकी आँखों व अधरों में चमक थी।

(ख) देखिए Set I प्रश्न 5 (क)

(ग) भरत का भातुप्रेम, सत्यनिष्ठा, समर्पण भाव, श्रद्धा, सरलता, छल कपट से दूर, राम को वनवास भेजने के विरुद्ध।

6. सही उत्तर पर **एक** अंक तथा गलत होने पर शून्य अंक :  $1 \times 10 = 10$

- (i) (घ) फारसी
- (ii) (ग) आठ साल
- (iii) (ख) तीन
- (iv) (ख) पेड़ के नीचे
- (v) (क) पचास हजार
- (vi) (क) कृष्ण के शंख का
- (vii) (घ) खाकी

(viii) (क) कालिदास

(ix) तेलुगू

(x) (क) पं० नेहरू का

7. सप्रसंग व्याख्या :-

5

(क) दुख और सुख ..... जाल बिछाता है।

लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी, पाठ 'कुटज' लेखक ने मन को वश में करने पर बल दिया है। दुख व सुख में मनुष्य को समभाव रहना चाहिए। व्याख्या स्पष्ट होनी चाहिए। भाषा तत्सम प्रधान, शैली विचारात्मक, मन ही सुख-दुख का निर्धारण करता है।

8. उत्तर के अनुरूप अंक दीजिए। प्रश्न स्पष्ट है :-

(क) गुलजार मियाँ ने लेखक के कहने पर खंभों को खुदवाकर ब्राह्मी अक्षरों के लेख उन्हें दे दिए। 4

(ख) शेर ऐसी व्यवस्था का प्रतीक है जो शोषणकर्ता है। कवि पुरोहित के रूप में साहित्यकार समाज को नवीन जीवन दृष्टि प्रदान कर लोकमंगलकारी साहित्य की रचना करता है। 2

(ग) सहस्त्रों दीपों का जल उठना, पंचमंजिली नीलाजलि पकड़कर पण्डितों आरती शुरु करते हैं, फूलों की किशितियों में दीपक गंगाजल पर तैरते हैं, घंटों, घड़ियालों की ध्वनियाँ।

9. उत्तर के अनुरूप अंक दीजिए। विषयांतर पर शून्य अंक दीजिए। 2

(क) ईर्ष्यावश भैरों को पोटली लौटाने की बात कहना। वह नहीं चाहता था कि भैरों इन रुपयों से मौज उड़ाए।

- (ख) आधुनिक उपकरणों का सहारा लिए भूपसिंह पहाड़ पर आसानी से चढ़ सकता था।
- (ग) बतख जिस प्रकार अपने अण्डों की बेहद सतर्कता, कोमलता से डैनों के अन्दर छिपाकर रक्षा करती है। बतख की ही तरह माँ भी अपने बच्चों को शरीर से लगाए रखती हैं।
- (घ) अनेक फूल ऐसे हैं जो केवल सुगन्ध ही नहीं देते अपितु औषधियाँ भी उपलब्ध कराते हैं जो उन्हीं में छिपी हैं।

#### अथवा

औद्योगीकरण के कारण, वायुमण्डल में प्रदूषण के कारण वातावरण पर बुरा प्रभाव पड़ा है।

10. (क) दूरदर्शन सबसे सशक्त माध्यम है। घटनाओं को देख भी सकते हैं। दृश्यात्मकता के कारण घटनाएँ अच्छी तरह समझ में आ जाती हैं। मनोरंजन के साथ-साथ रोचकता व तन्मयता बनी रहती है। एक ही स्थान पर बैठकर देखना होता है। आँखों पर असर होता है।
- (ख) शब्द, बिंब, छन्द, अलंकार, चित्रभाषा, लय, ताल संगीत आदि।
- (ग) फीचर देखिए Set - I प्रश्न 10 (ख)